माइक्रोडिस के सहयोगी कौन है?

यूरोपियन यूनियन, संबंधित देश और इससे जुड़े हुए अन्य सहभागी।

बेल्जियम	कैथोलिक यूनीवर्सिटी आफ लूवेन
फिनलेन्ड	फिनिश इंस्टिट्यूट ऑफ आक्यूपेश्नल हैल्थ
फ्रांस	यूनिवर्सिटी ऑफ पेरिस – सोरबोन (फेरूरबाट)
जर्मनी	ईवाप्लान – यूनिवर्सिटी आफ हाईडेलबर्ग
नीदरलैन्ड्स	हैल्थनेट इंटरनेशनल
नारवे	स्वेको ग्रोनर
यू.के.	यूनिवर्सिटी आफ ग्रीनविच
यू.के.	यनिवर्सिटी ऑफ नॉरथम्ब्रिया
यू.एस.ए.	यूनाईटेड नेशन्स आफिस फॉर द कोआरडिनेशन आफ ह्यूमैनिटेरियन अफेयर्स

दक्षिण और दक्षिण–पूर्व ऐशियाई सहभागी

भारत	जादवपुर यूनिवर्सिटी
भारत	वालेंटरी हेल्थ एसोसिएशन आफ इंडिया
भारत	दिल्ली यूनिवर्सिटी
इंडोनेशिया	यूनिवर्सिटी ऑफ इंडोनेशिया
फिलीपीन्स	सिटिज़न्स डिसास्टर रिस्पांस सेंटर
फिलीपीन्स	ज़ेवियर यूनिवर्सिटी
वियत्नाम	हेनोई स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी केवल लेखक के दृष्टिकोण को दर्शाती है। इस जानकारी का प्रयोग किये जाने पर समुदाय की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

सेन्टर फार रीसर्च आन द एपीडेमियोलॉजी ऑफ डिसास्टर

स्कूल आफ पब्लिक हेल्थ, कैथोलिक यूनिवर्सिटी ऑफ लुवेन
30–94, क्लोस चैपेल – औक्स – चैम्प्स
1200 ब्रूसेल्स बेल्जियम
फोन 32 2 7643327
फैक्स : 32 2 7643441
इंटरनेटः www.microdis-edu.be
ईमेल : contact@microdis-eu.be

माइक्रोडिस

चरम परिस्थितियों के एकीकृत स्वास्थ्य, सामाजिक एवं आर्थिक प्रभाव : साक्ष्य, प्राविधि एवं उपकरण

और

कैथोलिक यूनिवर्सिटी ऑफ लूवेन

माइक्रोडिस क्यों?

व्यक्तियों एवं समुदायों की विशेषकर विकसित एवं विकासशील देशों के गरीबों में आपदा जनित हानियों की बढ़ोत्तरी का प्रभाव उनके उत्तरजीविता प्रतिष्ठा एंव जीविका पर पड़ता है। आपदा संबंधी खतरें का उद्‌गम तब होता है जब जोखिम और भौतिक, सामाजिक, आर्थिक और वातावरणीय भेद्यता आपस में अन्योन्यक्रिया करते है। विगत 2 दशकों में 20 करोड़ से अधिक लोग इन चरम परिस्थितियों से प्रति वर्ष प्रभावित होते है।

वातावरण विरोधी कार्य प्रणाली, वैश्विक वातावरण परिवर्तन, जनसंख्या वृद्धि, शहरीकरण, समाजिक अन्याय, गरीबी संघर्ष एवं त्वरित आर्थिक दृष्टि आपदाग्रस्त समाजों का निर्माण कर रही है। यह समस्या और गंभीर होती जाती है जब जलवायु परिवर्तन से दूरगामी जोखिम की संभावना के साथ–साथ वातावरणीय क्षरण अथवा प्राकृतिक आपदाओं का कुप्रबंधन दिखता है।

इस बात पर अब अंतर्राष्ट्रीय सहमति बन रही है कि आपदा जोखिम के प्रयासों का सततः विकास एवं गरीबी कम करने की नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों से जोड़ना होगा। माइक्रोडिस परियोजना इस पृष्ठभूमि की देन है।

माइक्रोडिस एक समन्वित परियोजना है जिसका संपोषण यूरोपियन यूनियन के छठे फ्रेमवर्क कार्यक्रम की थीमेटिक प्रायोरिटी 6.3 ग्लोबल चेन्ज एण्ड इकोसिस्टम (अनुबंध संख्या ळव्ब्ज:2007. 036877) के अंतर्गत हुआ है।

माइक्रोडिस के उद्देश्य एवं लक्ष्य क्या हैं?

माइक्रोडिस का मुख्य लक्ष्य है कि किसी समुदाय को आपदा की स्थिति से बच पाना, उससे होने वाले नुकसान को कम करना और आपदा से लड़ने की तैयारी को और सुदृढ़ बनाना जिससे उस समुदाय के लोगों के स्वास्थ्य, आर्थिक स्थिति और सामाजिक संरचना को कम से कम नुकसान हो।

मुख्य उद्देश्य

- ➔ आपदा ओर उसके सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य पर होने वाले प्रभाव के बीच के संबंध को वैज्ञानिक रूप से समझना और सुदृढ़ बनाना।
- ➔ धारण, विधि, उपकरण और आंकड़ों को वैश्विक स्तर पर विकसित करना और उनका समाकलन करना।
- ➔ एशिया और यूरोप में प्रशिक्षण और जानकारी बांटने के माध्यम से मानव संसाधन और स्थिति से निपटने की क्षमता को सुधारना।

उदाहरण के तौर पर **माईक्रोडिस** प्रोजेक्ट अन्य चीज़ों के अलावा इनपर विशेष ध्यान देगाः

- ➔ एकीकृत प्रभाव प्रणाली का विकास
- ➔ सर्वेक्षण द्वारा प्राथमिक क्षेत्रीय कार्य के प्रमाण–आधार को स्थापित करना

वैश्विक आपदा संबंधी आंकड़ों को विनियमित करना और त्रुटि रहित विस्तार को बढ़ावा देना।

माइक्रोडिस का कार्य क्षेत्र क्या हैं?

1. यूरोपियन यूनियन, संबंधित देश और नये जोड़े गए देश बेल्जियम, फ्रांस फिनलैन्ड, जर्मनी नीदरलैंड्स, नार्वे यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका

2. दक्षिण ओर दक्षिण पूर्व ऐशियाई क्षेत्रः भारत, ईडोनेशिया फिलीपीन्स् और वियतनाम।

आपदा स्थिति की अधिक आवृत्ति और समुदायों पर उसके होने वाले प्रभाव के आधार पर इन क्षेत्रों का चुनाव किया गया है।

कौन सी चरम स्थितियां माईक्रोडिस के केन्द्र बिन्दु हैं?

विभिन्न चरम परिस्थितियों को 12 मुख्य समूहों और 23 उपसमूहों में विभाजित किया गया है जो कि शीध्र आगमन दृश्यमान से लेकर मन्द आगमन दृश्यमान तक हैं। इन 23 उप समूहों से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी और सामाजिक आर्थिक प्रभावों में अधिक भिन्नता है और इन सब पर प्रकाश डालने का मतलब होगा इस परियोजना की गुणवत्ता से पूर्ण न्याय न कर पाना।

एशिया और यूरोपियन यूनियन में तीन प्रकार की चरम परिस्थितियाँ बाढ़, भूकम्प और तूफान मिलकर अन्य सभी चरम परिस्थितियों का 75 प्रतिशत भाग बनाती है। माइक्रोडिस इन्हीं दृश्यमानों पर अपना ध्यान केन्द्रित करेगी।

माइक्रोडिस क्या उत्पादित करेगा?

ये निम्न हैः

- ➔ प्रभाव, क्षेत्र प्रणाली और आंकड़े इकट्‌ठा करने संबंधी उपकरणों का प्रमाण आधार
- ➔ प्रभाव प्रतिरूप
- ➔ एकीकृत भेद्यता मूल्यांकन

माइक्रोडिस प्रोजेक्ट चरम परिस्थितियों के मानव आंकडे एकत्र करने की प्रक्रिया को सुदढ़ करने के अतिरिक्त उनके स्थानीय, क्षेत्रीय एवं वैश्विक स्तर पर प्रभाव भी जांचेगा।